

S-370

Total Pages : 2

Roll No.

DMA-101

चिकित्सा ज्योतिष के मूल सिद्धान्त

Diploma in Medical Astrology (DMA)

1st Year Examination, 2022 (Dec.)

Time : 2 Hours]

Max. Marks : 100

नोट : यह प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×26=52)

1. चिकित्सा ज्योतिष से क्या अभिप्राय है? विस्तृत परिचय देते हुए इसका प्रयोजन स्पष्ट कीजिए।
2. ग्रह मानव के जीवन को जिस प्रकार प्रभावित करते हैं? विस्तृत निबन्ध लिखें।

3. रोगोत्पत्ति के विविध ज्योतिषीय कारणों का विस्तार में वर्णन कीजिए।
4. आधुनिक चिकित्सा एवं ज्योतिष— इस विषय पर निबन्ध लिखें।
5. कर्मफल विचार पर निबन्ध लिखें।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×12=48)

1. क्रियमाण कर्म से क्या अभिप्राय है? विस्तार में वर्णन कीजिए।
2. आयुर्वेद के अनुसार रोगोत्पत्ति के कारणों का वर्णन कीजिए।
3. असाध्य रोगों का प्रतिपादन कीजिए।
4. पुनर्जन्म पर टिप्पणी लिखें।
5. रोगी के परीक्षण के ज्योतिषीय उपकरणों का वर्णन कीजिए।
6. रोग विचार की प्राचीन पद्धतियों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
7. भाग्य फल पर टिप्पणी लिखें।
8. क्या जीवन में घटित घटनाओं का पूर्व विश्लेषण सम्भव है? टिप्पणी लिखें।